

## ईश्वरीय सन्देश व चेतावानी

जब संसार एक ही है एक से ज्यादा नहीं, सभी मनुष्यों की बनावट एक सी है, सभी को एक जैसा पानी मिला है और अन्य मूलभूत चीजें मिलने में कोई अंतर नहीं है, सभी को मुफ्त और असीमित मिला है, बात अलग है अभी लोगो ने नियम लगाए हैं लेकिन मिला तो सबको बराबर था तो फिर इन सब कार्रचना करने वाला बटा कैसे हो सकता है, या खुद को क्यों बटेगा। ये तो चूँकि बनाने वाले ने मनुष्यों को अन्य प्राणियों से ज्यादा दिमाग दिया है तो उसने उस का प्रयोग करके उसने उस बनाने वाले को भी अलग रूपरंग में बाँट दिया है जैसा की हम इंसान की फितरत सी है भेद करने की। लोगो को लगता है इससे क्या फर्क पड़ता है, लेकिन इस एक नासमझी की वजह से आज संसार की वही हालत है जैसे बिन बाप के घर के बच्चे जो खुद को एक बाप के सन्तान न जान पाने के कारण दर-दर भटकते हैं, तरह के लोगो को भगवान बनाके उनसे मांगते हैं जो की खुद अप्रत्यक्ष रूप उस एक से ही मांगते हैं।

जब इस शरीर को रचने वाला बाप एक है तो इस शरीर के अंदर जान डालने वाली आत्मा का भी बाप तो एक ही होता है। इस संसार की सबसे पुरानी पुस्तक ऋग्वेद है जिसमें कहा गया है की ईश्वर ज्योति स्वरूप निराकार है.. उसका कोई आकर नै है.. वही सबका करता धर्ता है.. तो इस पुरानी पुस्तक में भी एक ईश्वर को बता या है ये नै कहा की वो जैसे है है तुम किसी साकार को मानो. पहले मंदिर नै थे कोई मूर्ति नै थी जिसको के लोग जगह जगह पूजते थे।

अब इस एक बात के झूठ होने से की ईश्वर एक नहीं है, ईश्वर एक न होके अनेक है, इस संसार की हालत दिन प्रतिदिन बदतर हो रही है. इस झूठ से आज संसार की हालत ऐसे ही जैसे बिन बाप के बच्चे जो की खुद नहीं जानते की उन सबका बाप/रचनाकार तो एक ही है, तो क्यों आपस में लाड़े, क्यों न भाई-चारे से रहे, सब मिल बाँट के खाये पीये, सुख से रहे। लेकिन आज लोग आपस में धर्म के नाम पे लड़ते हैं, पानी भी पानी देते हैं, देश भी आपस में बाँटे ही है, आकाश भी बंट गए हैं, हद बना दी है इंसानो ने और फिर चाहते हैं की संसार में सुख शांति हो जो की असंभव है जब तक लोग ये नमाने की सबका बाप एक है न की अनेक। आज धर्मों के अंदर भी तरह-तरह के मठ-पंथ, विचारधारायें हो गए हैं वो सब अपना-अपना मुखिया बनाके पूजते हैं और दुसरे धर्म, मठ पंथ को अलग मानते हैं तो आपस में खिंट पिट तो होगी ही। ये सब धर्म, मठ पंथ पहले नहीं थे, जैसे-जैसे समय बढ़ रहा है ये मतभेद और बटवारे भी बढ़ रहे हैं तो शांति सुख कैसे मिलेगा इंसान को। बस इस एक बात की वजह से लोग भटक गए हैं।

# INVOICE

Invoice No: **#RBK4**  
Date: **2023.09.13**

**Invoice To:**  
As  
Dsvsd  
Ambedkar Nagae,UP2  
+91 23323398  
dsdvs2@sx.com

**Pay To:**  
RKB ENTERPRISES  
SULTANPUR  
+9188888838888  
GSTIN-**73738827GDGDHD**

Product	Price	Qty	Tax Inclusive?	Tax	Total
Puiding	₹10.00	9	Yes	₹0.9 sgst(@ 10.00% ) ₹1.62 csgst(@ 18%)	₹90

Subtoal	₹90
Total SGST	₹8.1
Total CGST	₹14.58
Grand Total	₹112.68

- Terms & Conditions:**
- All claims relating to quantity or shipping errors shall be waived by Buyer unless made in writing to Seller within thirty (30) days after delivery of goods to the address stated.